057 सुरह हदीद. का मुख्तसर लफ़्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रेहमानिर्रेहिम.

• इस मुबारक सूरह का नाम अल-हदीद यानी फौलाद हे, इस्का मतलब ये हे कि हक्के गलबे और उस्की जीत के किये नसीहत के साथ-साथ तलवार और ताकत व कुव्वत का इस्तेमाल भी झरूरी हे.

| हक की जीत के लिये ईमान और अल्लाह के रास्ते मे खर्च करना.

इस काईनात की हर चीझ अल्लाह की तस्बीह बयान कर रही हे, और इस बात की दावत दे रही हे कि इन्सान भी उसीकी इबादत और बन्दगी करे. अल्लाह जबरदस्त हे और बडे हिकमत वाला हे, वोही झमीन व आसमान का मालिक हे, और वोही हर चीझ पर कादिर हे, वोही अव्वल हे वोही आखिर हे वोही जाहिर हे वोही बातिन हे और वोही हर चीज का जान्ने वाला हे और वोही काईनात का बनाने वाला हे, रात और दिन का निझाम उसीके के कब्झे मेहे और वोही बारिश बरसाता हे और झमीन से फल फूल वगैरह वोही पैदा करता हे लिहाजा तुम जहा कही भी हो वोह तुम्हारे साथ हे. दिल के राझ वोही जानता हे. तो ऐ लोगो! अल्लाह और उस्के रसूल पर ईमान लावो और उस्के दिये हुवे माल मेसे खर्च करो. अल्लाह तआला ने कुरान मजीद अपने बुजुर्ग बन्दो पर इस्लीये उतारा हे ताकी तुम्हे अंधेरो से निकाल कर रोशनी की तरफ ले आये. लेकिन तुम्हे क्या हो गया हे कि तुम

अल्लाह के रास्ते मे खर्च नही करते हालाकि झमीनो आसमान का असली वारिस अल्लाह ही हे. मक्का के फतह होने से पेहले अल्लाह की राह मे खर्च करने वाले और अल्लाह की राह मे लडने वाले और मक्का के फतह होने के बाद ईमान लाने वाले मुजाहिद दोनो दर्जे मे बराबर नही हो सकते. वैसे दोनो के साथ अल्लाह तआला ने (नेक) अच्छे बदले का वादा किया हे.

| अल्लाह के रास्ते मे खर्च करने का मर्तबा.

जो शख्स अल्लाह को कर्ज देगा तो अल्लाह उस्के कर्ज को कई गुना जियादा करके वापस लौटायेगा. मोमिनो का ईमान कयामत के दिन उन्के आगे और दाहिनी तरफ रोशनी करता होगा और उन्हे जन्नत की खुशखबरी देता होगा. जब्की मुनाफिको को उस दिन हर किस्म की रोशनी से मेहरूम कर दिया जायेगा. क्युकी उन्को झूठी उम्मीदो ने धोखे मे मुब्तिला किये रखा. इस्लीये आज उन्के बचने की कोई सूरत ना होगी और जहन्नम ही उन्का ठिकाना होगा. तो क्या अभी ईमान वालो के लिये वो वकत नही आया कि वो अल्लाह की याद से उन्के दिल डर जाये और अल्लाह की तरफ से आने वाले हक्के सामने झुक जाये और उन अहले किताब की तरह ना हो जाये कि वकत गुझरने के साथ उन्के दिल सख्त हो गये लिहाजा ये बात बिल्कुल यकीनी हे के खैरात करने वाले और अल्लाह को कर्झ देने वाले मर्द और औरते उस दिन अल्लाह के यहा बडे दर्जात और नूर के मुस्तहिक होंगे. जब्की हमारी आयतो को झूठलाने वाले काफिर जहन्नम के इंधन बनेगे.

| दुन्या की झिन्दगी की मिसाल.

याद रखो ये दुन्या की झिन्दगी और (बचपना) सिर्फ एक खेल तमाशा हे और जवानी एक दूसरे से आगे बढना, यानी माल और औलाद मे एक का दूसरे से अपने आपको जियादा बतलाना और (बुढापा) फखर करना हे और ये सिर्फ एक धोखा हे. आखिरत मे अझाब भी हे और अल्लाह की तरफ से बख्शिश भी हे. तो ए लोगो! मगफिरत और जन्नत की तरफ एक दूसरे से आगे बढने की कोशिश करो और याद रखो! जो मुसीबत भी तुम्पर आती हे वो पेहले से लिखी हुई हे और ये बात इस्लीये बताई जा रही हे ताकी अगर कुछ जाये और बर्बाद हो जाये तो उस्पर तुम अफसोस ना करो और जो मिल जाये उस्पर अकड ना बतावो और हमने रसूलो को खुली हुई दलीलो के साथ भेझा और फिर उन्पर किताब भी उतारी और तराजू भेझा ताकी लोग इन्साफ को कायम करे और हमने लोहा इस्लीये उतारा के उसमे बडा जोर हे और लोगो के लिये बडे फायदे हे और अल्लाह तआला को मालूम हो जाये कि कौन अल्लाह और उस्के रसूल को बगैर देखे मानता हे और उस्के रसूलो की मदद करता हे.

| ईमान के फायदे.

सूरह के आखिर मे हजरत नूह (अल) और हजरत इब्राहिम (अल) का जिक्र फर्माया और ये कि हमने उन्को नबूव्वत दी, और उन्की औलाद मे भी नबूव्वत के सिलसिले को जारी फर्माया और फिर उन्के बाद और बहुत से रसूल तशरीफ लाये और फिर हजरत ईसा (अल) को पैगंबर बनाकर भेझा गया. वो अपने उपर ईमान वालो के लिये बहुत

ही नरम दिल और मेहरबान थे. और उन्होने अपने लिये दुन्या छोड ली और राहिब बन गये. ये चीझ हमने उन्पर फर्ज नही की थी, बल्कि ये उन्होने अपनी तरफ से अल्लाह को खुश करने के लिये इख्तियार किया, लेकिन फिर वो उसे निभा नासके.
ईमान वालो! अल्लाह से डरो और अल्लाह के रसूल पर ईमान लावो. यहा पर नसरानियो को भी ईमान वाला कहा गया हे, इस्से ये बताना हे के सही तरीके से नसरानियत पर अमल करने का तकाझा ये हे के ईमान भी कबूल करले, ईमान कबूल करलेने के बाद उन्को नसरानियत वाले आमाल का भी बदला मिलेगा और ईमान का भी बदला मिलेगा. वो अपनी रहमत से तुम्हे दुगना अज्र और रोशनी अता फरमायेगा ताकी अहले किताब ये समझले कि वो अपनी मौजूदा हालत यानी नसरानियत पर ईमान रखते हुवे अल्लाह के फझल मेसे कुछ भी हासिल नही कर सकते, जब तक हुजूर ﷺ पर ईमान नालाये, बगैर हुजूर ﷺ पर ईमान लाये वो अल्लाह के किसी फझल के मुस्तक नही. सारा फझल अल्लाह के हाथ मेहे वो जिसे चाहे दे, वो बडे फझल वाला हे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.